
subrahmaNyastotram 2

——
सुब्रह्मण्यस्तोत्रम् २

——
Document Information



Text title : subrahmaNyastotram 2

File name : subrahmaNyastotram2.itx

Category : subrahmanya

Location : doc_subrahmanya

Proofread by : Pallasena Narayanaswami ppnswami at gmail.com

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1, Narayana Ram Acharya, Nirnayasagar,
stotrasankhya 211

Latest update : February 20, 2017

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 15, 2020

sanskritdocuments.org



—
सुब्रह्मण्यस्तोत्रम् २
—




॥ सुब्रह्मण्यस्तोत्रम् २ ॥


श्रीगणेशाय नमः ॥

शरणागतमातुरमाधिजितं करुणाकर कामद कामहतम् ।
शरकाननसम्भवचारुरुचे परिपालय तारक मारक माम् ॥ १ ॥
हरसारसमुद्भव हैमवतीकरपल्लवलालित कग्रतनो ।
मुरवैरिविरिञ्चिमुदम्बुनिधे परिपालय तारक मारक माम् ॥ २ ॥
गिरिजासुत सायकभिन्नगिरे सुरसिन्धुतनूज सुवर्णरुचे ।
शिशिजाशिखानल वाहन हे परिपालय तारक मारक माम् ॥ ३ ॥
जय विप्रजनप्रिय वीर नमो जय भक्तजनप्रिय भद्र नमः ।
जय देव विशाखकुमार नमः परिपालय तारक मारक माम् ॥ ४ ॥
पुरतो भव मे परितो भव मे पथि मे भगवन् भव रक्ष गतम् ।
वितराजिषु मे विजयं भगवन् परिपालय तारक मारक माम् ॥ ५ ॥
शरदिन्दुसमानषडाननया सरसीरुहचारुविलोचनया ।
निरुपाधिकया निजबालजया परिपालय तारक मारक माम् ॥ ६ ॥
इति कुक्कुटकेतुमनुस्मरतः पठतामपि षण्मुखषड्भूमिदम् ।
नमतामपि नन्दनमिन्दुभृतो न भयं क्वचिदस्ति शरीरमृताम् ॥ ७ ॥
इति सुब्रह्मण्यस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Pallasena Narayanaswami ppsnwami at gmail.com

——
subrahmaNyastotram 2

pdf was typeset on February 15, 2020

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

